हिन्दी

पाठ –दो बैलों की कथा

कार्य प्रपत्र

कक्षा-9

नाम_____ अनुक्रमांक_____ दिनांक_____

गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

झूरी काछी के दोनों बैलों के नाम थे हीरा और मोती। दोनों पछाई जाति के थे –देखने में सुन्दर , काम में चौकस , डील में ऊँचे। बहुत साथ-साथ रहते –रहते दोनों में भाईचारा हो गया। दोनों आमने –सामने या साथ-साथ बैठे हुए एक –दूसरे से मूक भाषा में विचार –विनिमय करते थे। एक –दूसरे के मन की बात कैसे समझ जाता था, हम नहीं कह सकते। अवश्य ही उनमें कोई ऐसी शक्ति थी जिसमें जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है। दोनों एक दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते, कभी-कभी दोनों सींग भी मिला लिया करते थे-विग्रह के नाते से नही, केवल विनोद के भाव से ,आत्मीयता के भाव से ,जैसे दोस्तों में घनिष्ठता होते ही धौल-धप्पा होने लगता है।

प्रश्न-1 प्रस्तुत गद्यांश के लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर----------

प्रश्न-2 दोनों बैल किस जाति से संबंधित थे ?

उत्तर----------

प्रश्न—3 दोनों बैल अपने प्रेम को कैसे जताते थे ?

उत्तर----------

प्रश्न—4 उनके स्वभाव की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर----------

प्रश्न—5' अवश्य ही उनमें कोई ऐसी शक्ति थी जिसमें जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर----------

हिन्दी

पाठ –दो बैलों की कथा

कार्य प्रपत्र

कक्षा-9

नाम_____ **अनुक्रमांक**_____ **दिनांक**_____

प्रश्न—1 हीरा और मोती ने गया के साथ जाने का विरोध किसलिए किया?

उत्तर----------

प्रश्न—2 सच्चे मित्रों की क्या परख होती है? क्या हीरा और मोती भी सच्चे मित्र थे ?

उत्तर----------

प्रश्न---3 झूरी की पत्नी ने हीरा-मोती को पहले नमक –हराम क्यों कहा? बाद में उनका माथा किसलिए चूमा?

उत्तर----------

प्रश्न—4 पाठ में लेखक ने दुर्दशा के किन कारणों का चित्रण किया है?

उत्तर----------

प्रश्न—4 गया के घर से भाग आने पर हीरा और मोती का कैसा स्वागत हुआ और क्यों?

उत्तर----------

प्रश्न—5 हीरा- मोती ने दूसरी बार गया के घर भेजे जाने का किस ढंग से विरोध किया?

उत्तर----------